सत्यमेव जयते

राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

प्रेस विज्ञप्ति

- **बसन्तोत्सव के अवसर पर जैविक उत्पादों पर किया जाए फोकसः राज्यपाल**
- **जैविक उत्पादों के प्रति जन जागरूकता फैलाने के लिए यह प्रदर्शनी उचित माध्यम**
- **फूड स्टॉल्स में पहाड़ी पारम्परिक व्यंजनों परोसे जाएंः राज्यपाल**
- **पहाड़ी उत्पादों से तैयार नए व्यंजन भी इसमें शामिल किया जाए**

राजभवन देहरादून, 10 जनवरी, 2019

बसन्तोत्सव 2019 की तैयारियों को लेकर राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य की अध्यक्षता में गुरूवार को राजभवन में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी। राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने बसन्तोत्सव में प्रतिभाग करने वाले छात्र–छात्राओं, प्रतिभागियों एवं बसन्तोत्सव की व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में पर्वतीय क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से खाद्यान्न और फलों, सब्जियों को उत्पादन होता है। कृषि व उद्यान विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ''बसन्तोत्सव 2019'' के माध्यम से जैविक उत्पादों के प्रति जागरूकता का संदेश जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों को लेकर जन जागरूकता फैलाने के लिए प्रदर्शनी उचित माध्यम है। उन्होंने कहा कि आगन्तुकों को फूड स्टॉल में पारम्परिक पहाड़ी व्यंजन परोसे जाएं ताकि बहार से आए लोग इसका आनन्द ले सकें। जिससे राज्य के पारम्परिक व्यंजनों का प्रचार प्रसार भी होगा, साथ ही स्थानीय उत्पादों से तैयार नए व्यंजनों को भी इसमें शामिल किया जाए।

औषधीय पौधे अकरकरा के महत्व को देखते हुए राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने इस उत्सव के दौरान जारी होने वाले डाक टिकट पर उसके चित्रण की बात कही। उन्होंने कहा कि इस औषधीय पौधे के गुणों से आम जनमानस को परिचित कराने के लिए इसका सही से प्रचार प्रसार किया जाए।

राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने यह भी निर्देश दिए कि बसन्तोत्सव में आने वाले स्कूली बच्चों व आगन्तुकों के लिए पीने के पानी और टॉयलेट की उचित व्यवस्था की जाए।

इस अवसर पर सचिव राज्यपाल श्री आर. के. सुधांशु, सचिव उद्यान श्री डी. सेंथिल पाण्डियन, जिलाधिकारी देहरादून श्री एस.ए. मुरूगेशन, एस.एस.पी. श्रीमती निवेदिता कुकरेती सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

.....0.....